बिहार विधान-सभा वादवृत

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

सोमवार, तिथि २९ मार्च, १९७६ ।

विषय-सूची ।

		पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर :	बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम ४ (ii) के परन्तुक के अन्तर्गत तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा मेज पर रखा जाना ।	१-७
प्रश्नों के मौखिक उत्तर--		
अल्प सूचित प्रश्नोत्तर संख्या १९-२० एवं २१		
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :	६९४, ६९६, ६९८, ७१८, ७२०, ७२३, ७२६, ७२८, ७३०, ७३२, ७३५, ७३७, ७३९, ७४१, ७४२, ७४४, ७४५, ७४७, ७४९, ७५३, ७५४, ७५७, ७५९, ७६१, एवं ७६२,	७-६८
परिशिष्ट १ एवं २ (प्रश्नों के लिखीत उत्तर)		६९-९४
दैनिक निबंध		९५-९७

टिप्पणी—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है ।

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग—(१) उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। पातेपुर प्रखंड से जिला बोर्ड की कई कच्ची सड़कें गुजरती हैं।

(२) स्वीकारात्मक है।

(३) महुआ से गोविन्दपुर मेला अर्थात् जिला सीमा तक मोदह बुजुर्ग, मोदहडी, हसुआ, विशुनपुर, टेकवारी, सुक्की होते हुए जिला बोर्ड की कई सड़कें हैं, जिनकी लम्बाई १,३२५ मील है। इनके पक्कीकरण पर १९,३५ लाख रुपये व्यय होगा जो अर्थाभाव में संभव नहीं है।

जाली हस्ताक्षर से रकम निकालना

४४। **श्री लाल बिहारी प्रसाद**—क्या मंत्री शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जिला शिक्षा अधीक्षक, भोजपुर को गत जून माह में ४५ शिक्षकों ने जाली हस्ताक्षर बनाकर उनके भविष्य निधि की रकम निकालने के विरुद्ध आवेदन-पत्र दिया था, यदि हां, तो अभी तक इस संबंध में कौन-सी कार्रवाई की गयी है?

प्रभारी मंत्री, शिक्षा विभाग—वस्तुस्थिति यह है कि दिनांक ३ जून १९७५ को जिला शिक्षा अधीक्षक; भोजपुर को माननीय सदस्य श्री लाल विहारी प्रसाद ने ३१ शिक्षकों के आवेदन पत्र के साथ एक आवेदन-पत्र दिया था जिसमें जाली हस्ताक्षर बनाकर रुपये निकालने की बात लिखी गयी थी। जिला शिक्षा अधीक्षक ने इसकी जांच करायी और जांच में पाया कि बक्सर प्रखंड के १० और इटाढ़ी प्रखंड के ४० शिक्षकों के भविष्य निधि की रकम जाली हस्ताक्षर कर निकाली गयी है; शेष २ शिक्षकों (इटाढ़ी प्रखंड) के संबंध में की जांच बाकी है। जांच कार्य पूरा होते ही आगे की कार्रवाई संभव हो सकेगी।

प्राधानाध्यापक पर कार्रवाई।

४२। **श्री सोम मुरमू**—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—